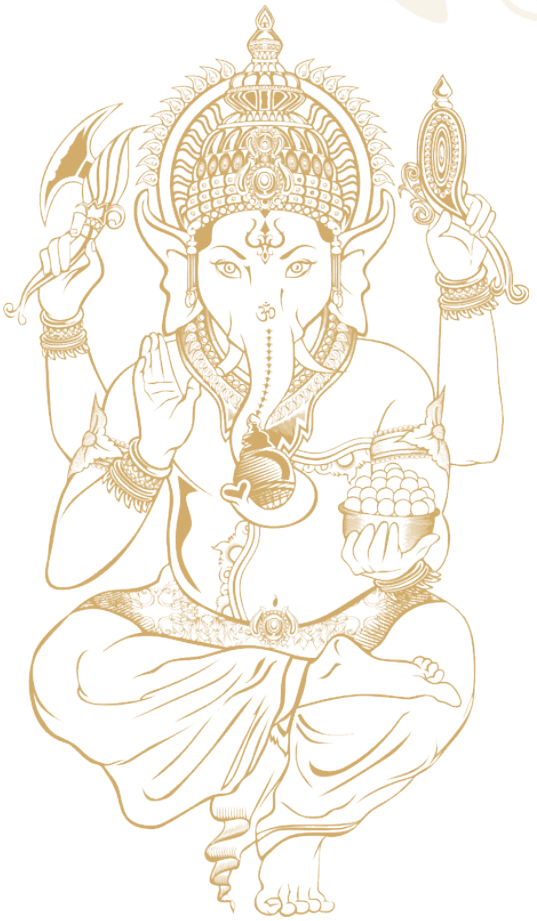

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/1996	जन्म तिथि	16/07/2000
बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	16:21:00 घंटे
घटी 10:59:56	जन्म समय(घटी)	27:00:15 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Ghaziabad
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:01	सूर्योदय	05:32:54
17:30:01	सूर्यास्त	19:19:25
23:48:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 7वर्ष 7मा 12दि	25:48:51	कुंभ	लग्न	वृश्चि	19:18:45	सूर्य 4वर्ष 11मा 20दि
शनि	09:55:06	धनु	सूर्य	कर्क	00:20:28	राहु
07/08/2020	14:21:26	मिथु	चंद्र	धनु	28:57:08	06/07/2022
08/08/2039	03:02:11	कन्या	मंगल	मिथु	25:58:42	06/07/2040
शनि 11/08/2023	25:13:03	धनु व	बुध व	मिथु	16:34:48	राहु 18/03/2025
बुध 20/04/2026	29:48:23	धनु	गुरु	वृष	09:21:06	गुरु 12/08/2027
केतु 30/05/2027	16:11:50	वृश्चि	शुक्र	कर्क	09:58:19	शनि 18/06/2030
शुक्र 30/07/2030	07:13:13	मीन	शनि	वृष	04:18:14	बुध 04/01/2033
सूर्य 12/07/2031	09:29:56	कन्या व	राहु	कर्क	00:45:21	केतु 23/01/2034
चन्द्र 09/02/2033	09:29:56	मीन व	केतु	मक	00:45:21	शुक्र 23/01/2037
मंगल 21/03/2034	09:05:19	मक	हर्ष व	मक	25:58:04	सूर्य 17/12/2037
राहु 25/01/2037	02:46:09	मक	नेप व	मक	11:37:39	चन्द्र 18/06/2039
गुरु 08/08/2039	10:20:15	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:36:58	मंगल 06/07/2040

लग्न-चलित

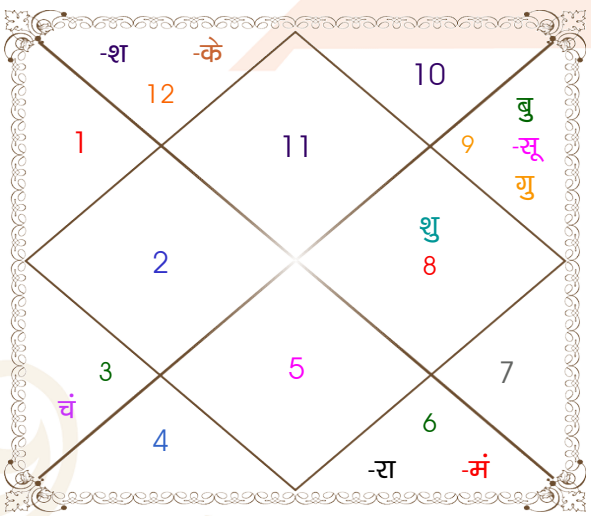

लग्न-चलित

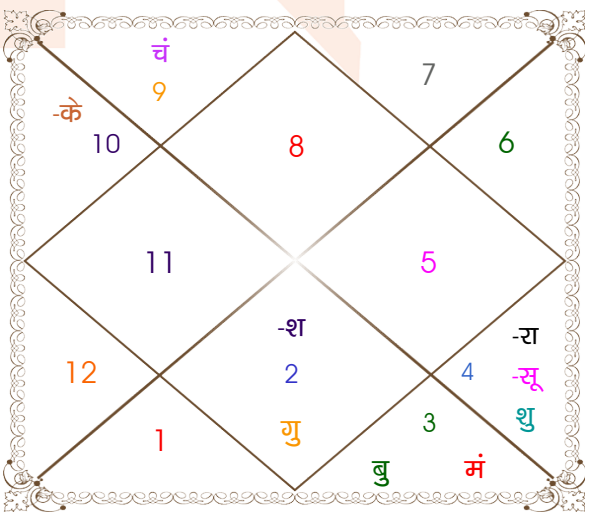

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।